

## लघु प्रत्यय

①

सम-4 यदि क्रिया के पूर्व कोई उपसर्ग होता है, तथा क्रिया के अन्त में 'कर' लगा होता है। वहाँ क्रिया के साथ लघु प्रत्यय जोड़ दिया जाता है। यथा -

आइ + गम् + लघु = आगम्य भा आगम्य = आकर

आइ + दा + लघु = आदाय = लेकर

प्र + नम् + लघु = प्रणम्य = प्रणाम कर

वि + हस् + लघु = विहस्य = मुस्कराकर

वि + हा + लघु = विहाय = ~~लेकर~~ लगाकर

यथा - राम गहों आकर पढ़ता है - रागः अन्त आगम्य पहन्ति।

वह मुस्कराकर बोला - सः विहाय अपदत्।

यदि क्रिया के अन्त में 'कर' लगा होता है, वहाँ क्रिया के साथ 'कृत्वा' प्रत्यय जोड़ दिया जाता है। 'कृत्वा' प्रत्यय में 'क्' का लोप हो जाता है। यथा -

पठ् + कृत्वा = पठित्वा = पढ़कर

गम् + कृत्वा = गत्वा = जाकर

दृश् + कृत्वा = दृष्ट्वा = देखकर

धाप् + कृत्वा = धावित्वा = दौड़कर

दा + कृत्वा = दात्वा = देकर

हस् + कृत्वा = हसित्वा = हँसकर

स्थ्वा + कृत्वा = स्थित्वा = बैठकर

नम्र + कृत्वा = नम्रत्वा = नमस्कारकर

भ्रम् + कृत्वा = भ्रमित्वा = घुमकर

अट् + कृत्वा = अटित्वा = टहलकर

यथा - राम पढ़कर घर जाता है।

रामः पठित्वा गृहं गच्छति।

तुम विद्यालय जाकर पढ़ो।

त्वं विद्यालयं गत्वा पठ।

वह मुझे देखकर खोलता है।

सः मां दृष्ट्वा वदति।

तुम यहाँ बैठकर पढ़ो।

त्वम् अत्र स्थित्वा पठ।

~~राम सड़क पर घुमने जाता है।~~

रामः राजमार्गं भ्रमि